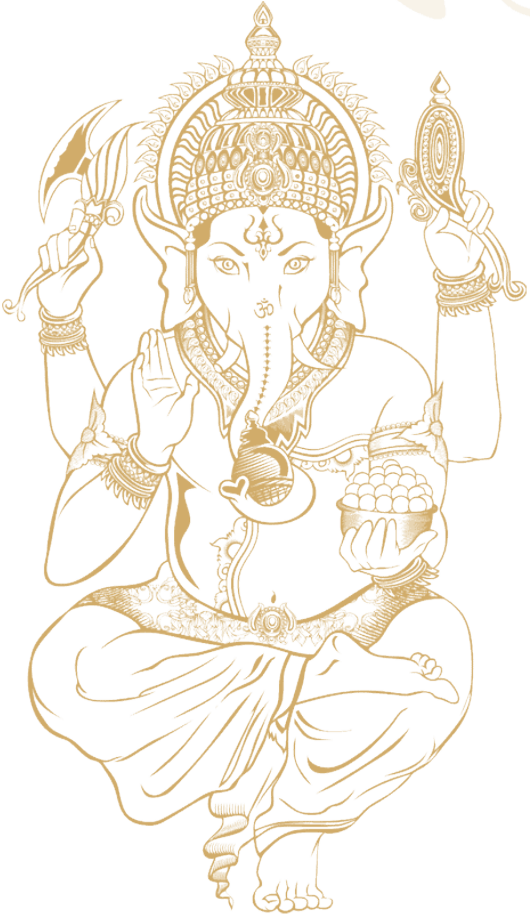

Mss. Priynka Mishra

14 Feb 1997

08:30 AM

Deoria

Model: web-freekundliweb

Order No: 121325502

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/02/1997**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**08:30:00 घंटे**
इष्ट	04:55:12 घटी
स्थान	**Deoria**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:31:00 उत्तर
रेखांश	83:48:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:05:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:35:12 घंटे
वेलान्तर	-00:14:14 घंटे
साम्पातिक काल	18:11:54 घंटे
सूर्योदय	06:31:55 घंटे
सूर्यास्त	17:46:22 घंटे
दिनमान	11:14:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	01:38:46 कुम्भ
लग्न के अंश	10:19:11 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 1**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	ब्रह्म
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरुड़
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	अ-आकांक्षा
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:19:11	501:14:36	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			कुंभ	01:38:46	01:00:38	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मेष	28:39:02	13:07:22	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	मंगल	सम राशि
मंगल	व		कन्या	11:41:15	00:06:14	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
बुध			मक	13:23:35	01:30:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
गुरु			मक	11:39:29	00:13:43	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	नीच राशि
शुक्र			मक	19:52:39	01:15:04	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	केतु	मित्र राशि
शनि			मीन	11:05:46	00:06:23	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कन्या	05:27:13	00:00:37	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	05:27:13	00:00:37	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	मूलत्रिकोण
हर्ष			मक	11:59:53	00:03:22	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
नेप			मक	04:39:00	00:02:05	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	---
प्लूटो			वृश्चिक	11:38:18	00:00:47	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			धनु	08:54:48	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:02

लग्न-चलित

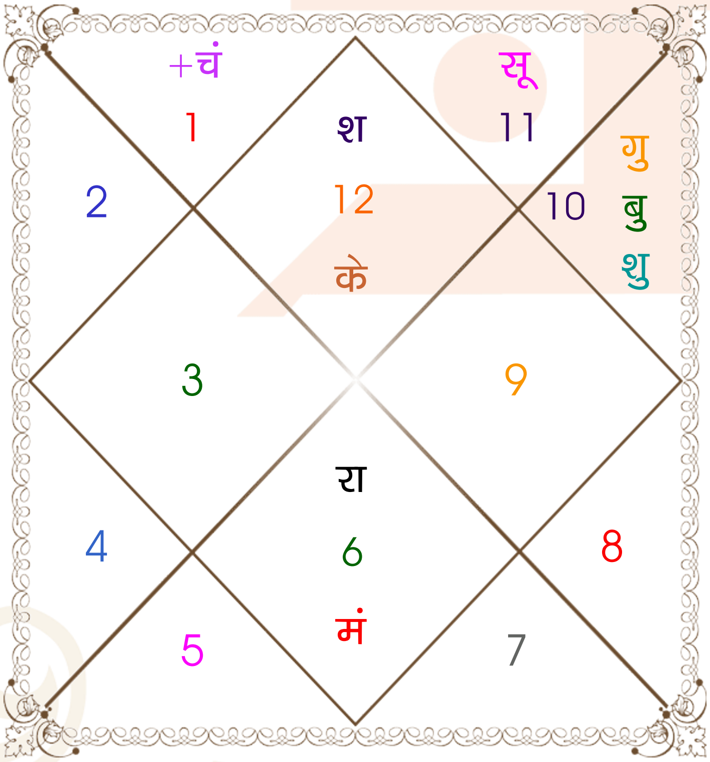

चन्द्र कुंडली

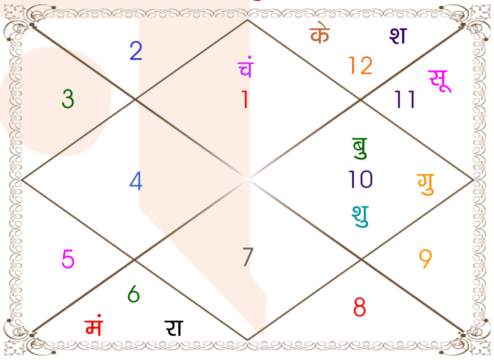

नवमांश कुंडली

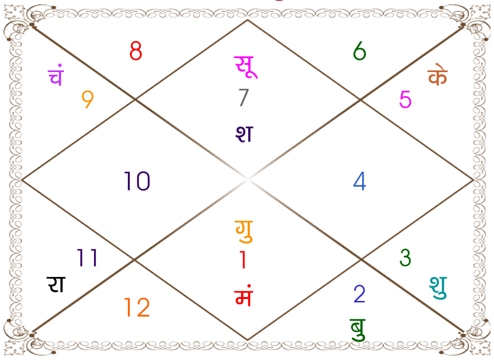

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 5 वर्ष 1 मास 8 दिन

सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष
14/02/1997	**25/03/2002**	**25/03/2012**	**26/03/2019**	**25/03/2037**
25/03/2002	**25/03/2012**	**26/03/2019**	**25/03/2037**	**25/03/2053**
00/00/0000	चंद्र 24/01/2003	मंगल 21/08/2012	राहु 06/12/2021	गुरु 13/05/2039
14/02/1997	मंगल 25/08/2003	राहु 08/09/2013	गुरु 30/04/2024	शनि 24/11/2041
मंगल 19/05/1997	राहु 23/02/2005	गुरु 15/08/2014	शनि 07/03/2027	बुध 29/02/2044
राहु 13/04/1998	गुरु 25/06/2006	शनि 24/09/2015	बुध 24/09/2029	केतु 04/02/2045
गुरु 30/01/1999	शनि 24/01/2008	बुध 20/09/2016	केतु 12/10/2030	शुक्र 06/10/2047
शनि 12/01/2000	बुध 24/06/2009	केतु 17/02/2017	शुक्र 12/10/2033	सूर्य 25/07/2048
बुध 17/11/2000	केतु 23/01/2010	शुक्र 19/04/2018	सूर्य 06/09/2034	चंद्र 24/11/2049
केतु 25/03/2001	शुक्र 24/09/2011	सूर्य 24/08/2018	चंद्र 07/03/2036	मंगल 30/10/2050
शुक्र 25/03/2002	सूर्य 25/03/2012	चंद्र 26/03/2019	मंगल 25/03/2037	राहु 25/03/2053

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
25/03/2053	**25/03/2072**	**25/03/2089**	**25/03/2096**	**26/03/2116**
25/03/2072	**25/03/2089**	**25/03/2096**	**26/03/2116**	**00/00/0000**
शनि 28/03/2056	बुध 21/08/2074	केतु 21/08/2089	शुक्र 25/07/2099	सूर्य 13/07/2116
बुध 06/12/2058	केतु 19/08/2075	शुक्र 21/10/2090	सूर्य 26/07/2100	चंद्र 12/01/2117
केतु 15/01/2060	शुक्र 19/06/2078	सूर्य 26/02/2091	चंद्र 26/03/2102	मंगल 15/02/2117
शुक्र 16/03/2063	सूर्य 25/04/2079	चंद्र 27/09/2091	मंगल 26/05/2103	00/00/0000
सूर्य 26/02/2064	चंद्र 23/09/2080	मंगल 23/02/2092	राहु 26/05/2106	00/00/0000
चंद्र 27/09/2065	मंगल 21/09/2081	राहु 13/03/2093	गुरु 24/01/2109	00/00/0000
मंगल 06/11/2066	राहु 09/04/2084	गुरु 17/02/2094	शनि 26/03/2112	00/00/0000
राहु 11/09/2069	गुरु 16/07/2086	शनि 29/03/2095	बुध 25/01/2115	00/00/0000
गुरु 25/03/2072	शनि 25/03/2089	बुध 25/03/2096	केतु 26/03/2116	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 5 वर्ष 1 मा 13 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com